

/एसआईडीसी/

दिनांक

-19

कार्यालय आदेश

प्रायः यह संज्ञान में आ रहा है कि आवंटी की मृत्यु के उपरान्त तहसीलदार / अपर / उपजिलाधिकारी / जिलाधिकारी द्वारा उत्तराधिकार प्रमाण पत्र निर्गत किया जाता है। इस प्रमाण पत्र में धनराशि की सीमा ₹ 5000.00 अथवा ₹ 10000.00 की सीमा अंकित की जाती है। प्रभारी महाप्रबन्धक विधि द्वारा यह परामर्श दिया गया है कि इस प्रकार का प्रमाण पत्र केवल चल सम्पत्ति के लिए मान्य है और अचल सम्पत्ति के लिए विधिक औचित्य नहीं है।

अतः एतद्वारा यह निर्णय लिया गया है कि मृतक आवंटी के उत्तराधिकार के सम्बन्ध में निर्णय लिये जाने से पूर्व उत्तराधिकार प्रमाण पत्र का भली-भाँति परीक्षण कर लिया जाये और जब तक उत्तराधिकार प्रमाण पत्र सम्बन्धी आदेश में स्पष्ट रूप से वर्णित न हो कि जारी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में भी स्वीकार्य होगा तब तक तहसीलदार/अपर/उपजिलाधिकारी / जिलाधिकारी द्वारा निर्गत उत्तराधिकार प्रमाण पत्र उत्तराधिकार प्रमाण पत्र के रूप में स्वीकार नहीं किया जायेगा। अचल सम्पत्ति के सम्बन्ध में सक्षम प्राधिकारी / न्यायालय द्वारा निर्गत आदेश ही साक्ष्य के रूप में मान्य होगा।

(मनोज सिंह)

प्रबन्ध निदेशक

सं०सं० 81-84 / एसआईडीसी / अड्डा 090 / दिनांक-D.58/Firuzabad dt 22-4-14
प्रतिलिपि- निम्न को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महाप्रबन्धक विधि उ०प्र०रा०अ०वि०नि०लि० कानपुर।
2. स्टाफ ऑफिसर प्रबन्धक/संयुक्त प्रबन्ध निदेशक क्षेत्र उ०प्र०रा०अ०वि०नि०लि० कानपुर।
3. समस्त क्षेत्रीय प्रबन्धक/परियोजना अधिकारी /क्षेत्र प्रबन्धक उ०प्र०रा०अ०वि०नि०लि० कानपुर।
4. समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी औ०क्षे० अनुभाग उ०प्र०रा०अ०वि०नि०लि० कानपुर।

(मनोज सिंह)

प्रबन्ध निदेशक